संख्या-27/2025/200/सैंतीस-2-2025-1(15)/11टीसी2

प्रेषक,

देवेन्द्र कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र,
पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-24 फरवरी, 2025

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुदान संख्या-83 के अधीन पशुचिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण (60 प्रति0के0पो0) के अन्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-368/सा.-1/एक्स-84/ईएसवीएचडी-एमवीयू-एससीएसपी/2024-25, दिनांक-04.02.2025 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुदान संख्या-83 के अधीन लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना-89-केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश-8914-पशुचिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत सम्भावित बचतों से लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0114-पशुचिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण (के.60/रा.40-के.+रा.) के निम्नलिखित मानक मदों में रू0-322.02 लाख (रूपये तीन करोड़ बाईस लाख दो हजार मात्र) का पुनर्विनियोग संलग्न प्रपत्र बी.एम.-9 के अनुसार किये जाने की वित्तीय स्वीकृति अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
15-गाडियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	46.00
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	3.22
39-औषधि तथा रसायन	32.00
42-अन्य व्यय	40.00
43-सामग्री एवं सम्पूर्ति	4.80
58-आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	196.00
योग-	**322.02**

(रूपये तीन करोड़ बाईस लाख दो हजार मात्र)

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(1) प्रश्नगत योजनान्तर्गत अवमुक्त केन्द्रांश के सबंध में भारत सरकार के निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण दायित्व निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग का होगा।

(2) जिस मद से पुनर्विनियोग किया जा रहा है उसमें अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

(3) जिस प्रयोजन हेतु धनराशि की मांग की जा रही है, उसी मद में ही आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी।

(4) जिस मद में पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उसका सदुपयोग इसी वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा।

(5) शासनादेश संख्या-1/2025/बी-1-156/दस-2025 दिनाँक 21 जनवरी, 2025 में प्रदत्त व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का दायित्व निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग का होगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2024/बी-1-294/दस-2024-231/2024, दिनांक-04.03.2024 एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में निहित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुदान संख्या-83 के अधीन लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0114-पशुचिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण (के.60/रा.40-के.+रा.) की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 द्वारा आवंटित आर.ई. संख्या बजट-1-419, दिनाँक-21.02.2025 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक - प्रपत्र बी.एम.-9

भवदीय,

(देवेन्द्र कुमार पाण्डेय)
विशेष सचिव।

पृ0सं0-27/2025/200(1)/सैंतीस-2-2025-1(15)/11टीसी2, तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0, प्रयागराज।
3. निदेशक, वित्तीय सांख्यिकी निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
4. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
5. सम्बन्धित जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(रवीन्द्र प्रताप सिंह)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।